टीईई जून 2025 और टीईई दिसंबर 2025
बीएजी दर्शनशास्त्र
बीपीवाईसी-132 नीतिशास्त्र

नोट:

1. सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।
2. सभी पाँच प्रश्नों के अंक समान होंगे।
3. प्रश्न संख्या 1 और 2 के उत्तर लगभग 400 शब्दों में दें।
4. यदि किसी प्रश्न में एक से अधिक भाग हैं, तो कृपया सभी भागों का प्रयास करें। प्रत्येक भाग के अंक अलग-अलग होंगे।

1. इम्मानुएल कांट के अनुसार नैतिक कृत्य क्या है? नैतिक कृत्य पर दार्शनिक दृष्टिकोण क्या हैं? 20

अथवा

क्या आप मानते हैं कि नैतिक सिद्धांत सार्वभौमिक होते हैं? इस विषय पर यथार्थवादी और सापेक्षवादी दृष्टिकोणों का मूल्यांकन करें।
20

2. सदगुण नीतिशास्त्र (Virtue Ethics) क्या है? अरस्तू के अनुसार सदगुणों के प्रकार कौन से हैं? 20

अथवा

व्यक्तिगत विषयवाद (Individual Subjectivism) क्या है? इस सिद्धांत के प्रति क्या आपत्तियाँ हो सकती हैं?
20

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से **दो** प्रश्नों का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दें।
2*10= 20

a) संज्ञानवाद (Cognitivism) और गैर-संज्ञानवाद (Non-cognitivism) में अंतर करें। 10

b) “आत्महत्या नैतिक दृष्टि से गलत है।” इस सिद्धांत को साबित करने के लिए विभिन्न प्रकार के तर्क प्रस्तुत करें।
10

c) प्राकृतिक नैतिक नियम और मानव गरिमा।
10

d) आर.एम. हेयर के परामर्शवाद (Prescriptivism) का नैतिक दर्शनशास्त्र में महत्व। 10

4. निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किसी **चार** प्रश्नों का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दें। 4*5= 20

a) प्लेटो के अनुसार चार मुख्य सदगुण (Cardinal Virtues) कौन से हैं? संक्षेप में चर्चा करें। 5

b) संवेगवाद (Emotivism) पर टिप्पणी करें।
5

c) मानकीय सापेक्षवाद (Normative Relativism) और वर्णनात्मक सापेक्षवाद (Descriptive Relativism) में अंतर करें।
5

d) उपयोगितावाद (Utilitarianism) और कर्तव्यपरक नीतिशास्त्र (Deontology) के बीच मुख्य अंतर पर संक्षेप में चर्चा करें।
5

e) नैतिक दर्शनशास्त्र में संवेगवाद का महत्व।
5

f) बौद्ध धर्म के नैतिक सिद्धांतों को समझाएं।
5

g) हमें नैतिक क्यों होना चाहिए? चर्चा करें।
5

5. निम्नलिखित में से किसी **पाँच** पर संक्षिप्त नोट लिखें। प्रत्येक का उत्तर लगभग **100** शब्दों में दें।

5*4= 20

a) उपयोगितावाद (Utilitarianism) का आलोचनात्मक मूल्यांकन
4
b) परिणामवाद (Consequentialism)
4
c) नैतिक गैर-संज्ञानवाद (Ethical Non-cognitivism)
4
d) सुकरात का वाक्य "सदगुण ज्ञान है"
4
e) निष्काम कर्म (Nishkama Karma)
4
f) नैतिक प्रकृतिकवाद (Ethical Naturalism)
4
g) सुखवाद (Hedonism)
4
h) निरपेक्ष आदेश (Categorical Imperative)
4